समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

# नाशिक सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए ₹404 करोड़ की जल आपूर्ति परियोजनाओं को मिली मंजूरी

Publisher

Published on 13 Sep 2025

नाशिक में आगामी सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 की भव्यता और सफलता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और कुंभ मेला प्राधिकरण ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन कदमों में से एक प्रमुख पहल है जल आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी देना, जिससे मेले के दौरान जल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान किया जा सके।

सिंहस्थ कुंभ मेला एक विशाल धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। ऐसे में जल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था होना अत्यंत आवश्यक है। कुंभ मेला प्राधिकरण ने इस आवश्यकता को समझते हुए ₹404 करोड़ की लागत से जल आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से न केवल मेले के दौरान जल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि नाशिक शहर और आसपास के क्षेत्रों में भी जल संकट को कम किया जा सकेगा।

### परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी

1. **मुकणे जल आपूर्ति योजना :**
   यह योजना नाशिक शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित मुकणे क्षेत्र में जल आपूर्ति की व्यवस्था को सुधारने के लिए बनाई गई है। इस योजना के तहत जलाशयों का निर्माण, जल शोधन संयंत्र की स्थापना और पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। इससे क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छ और पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

2. **गोदावरी नदी की सफाई और जल पुनर्चक्रण :**
   गोदावरी नदी नाशिक की जीवनरेखा मानी जाती है। इस नदी की सफाई और जल पुनर्चक्रण के लिए विशेष परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से नदी के जल को प्रदूषणमुक्त किया जाएगा, जिससे कुंभ मेला के दौरान जल की गुणवत्ता बनी रहेगी।

3. **साधुग्राम जल आपूर्ति योजना :**
   साधुग्राम वह क्षेत्र है जहां विभिन्न अखाड़ों के साधु और संत निवास करते हैं। इस क्षेत्र में जल आपूर्ति की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। इन योजनाओं के तहत जलाशयों का निर्माण, पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार और जल शोधन संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

**परियोजनाओं के लाभ**

- **श्रद्धालुओं को पर्याप्त जल आपूर्ति:**
  इन परियोजनाओं के माध्यम से कुंभ मेला के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे उनकी धार्मिक यात्रा सुखमय होगी।
- **स्थानीय निवासियों को लाभ :**
  न केवल मेले के दौरान, बल्कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद स्थानीय निवासियों को भी नियमित और स्वच्छ जल आपूर्ति प्राप्त होगी, जिससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा।
- **पर्यावरण संरक्षण :**
  गोदावरी नदी की सफाई और जल पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा, जिससे नदी की पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षित रहेगा।

नाशिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के सफल आयोजन के लिए जल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। कुंभ मेला प्राधिकरण द्वारा ₹404 करोड़ की जल आपूर्ति परियोजनाओं को मंजूरी देना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन परियोजनाओं के माध्यम से न केवल मेले के दौरान जल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि नाशिक शहर और आसपास के क्षेत्रों में भी जल संकट को कम किया जा सकेगा। यह पहल न केवल धार्मिक आयोजन की सफलता के लिए, बल्कि क्षेत्रीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.